अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2020) दिनांक : 17-12-2020

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

बावन बोल–25

प्र. 1 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) नौ तत्व के एक सौ पन्द्रह बोलों की पृच्छा।

(ख) पन्द्रह योग कितने भाव कितनी आत्मा?

(ग) आठ कर्मों का उदय उपशम, क्षय, क्षयोपशम, निष्पन्न छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) जीव पारिणामिक के दस भेद कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ख) उदय के तैतीस बोल किस-किस कर्म के उदय से?

(ग) आठ आत्मा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन? तथा मूलगुण, उत्तरगुण कितनी?

(घ) अठारह पाप स्थान का उदय उपशम क्षायिक क्षयोपशम निष्पन्न छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) संवर के बीस बोल कितने भाव?

(ख) दया हिंसा कितनी भाव? कितनी आत्मा तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ग) जीव पदार्थ कितने भाव? यावत् मोक्ष पदार्थ कितने भाव?

(घ) आठ आत्मा में उदय भाव कितनी? यावत् पारिणामिक भाव कितनी?

इक्कीस-द्वार–25

प्र. 4 किन्हीं चार बोल पूरे लिखें– 20

(क) सूक्ष्म

(ख) सम्यक मिथ्या दृष्टि

(ग) औपशमिक सम्यक्त्वी

(घ) चक्षुदर्शनी

(ङ) तेजोलेश्यी

(च) मनःपर्यवज्ञानी

प्र. 5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें–(कितने व कौन-कौन से पाते हैं?) 5

(क) वेदक सम्यक्त्वी–दण्डक गुणस्थान

(ख) वचनयोगी–जीव का भेद, योग

(ग) वायुकाय–लेश्या, योग

(घ) अचरम–उपयोग, भाव

(ङ) अपर्याप्त–उपयोग, दृष्टि

(च) असंज्ञी–दण्डक, आत्मा

(छ) भाषक–योग, गुणस्थान

जैन तत्व प्रवेश (द्वितीय व तृतीव खण्ड)–30

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) श्रावक प्रतिमा द्वार की अंतिम चार प्रतिमा लिखें।

(ख) नय को परिभाषित करते हुए अंत तक लिखें।

(ग) आगम द्वार को प्रारंभ से लिखते हुए बारह उपांग तक लिखें।

प्र. 7 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) अणगार व अणागार धर्म पालने वालों के बारे में लिखते हुए प्रथम दोहा लिखें।

(ख) श्रावकचिंतन द्वार लिखें।

(ग) गुणस्थान को परिभाषित करते हुए दूसरा, नौंवा तथा तेरहवां गुणस्थान व्याख्या सहित लिखें।

(घ) श्रावक गुण द्वार लिखें।

(ङ) सम्यक् दर्शन द्वार को प्रारंभ से लेकर लक्षण तक लिखें।

(च) गाय, बैल आदि में योग कितने व कौन से पाते हैं?

(छ) दया की परिभाषा करते हुए अनुकम्पा के दोहे लिखें।

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 5

(क) सांव्यवहारिक प्रत्यक्ष के भेद लिखें।

(ख) कौशल से आप क्या समझते हैं,

(ग) छेद कितने व कौन से हैं?

(घ) प्रमेय किसे कहते हैं?

(ङ) विचिकित्सा शब्द का क्या तात्पर्य है?

(च) टिड्डी पतंग आदि में इन्द्रियां कितनी? नाम बतायें।

(छ) एक इन्द्रिय वाले जीवों में योग कितने? नाम बतायें।

पूर्व कंठस्थ ज्ञान–20

प्र. 9 किन्हीं आठ प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखें– 8

प्रत्येक खंड से दो प्रश्नों को हल करें–

पच्चीस बोल–

(क) काल द्रव्य का क्षेत्र

(ख) निर्जरा तत्व का छठा भेद

(ग) पांचवां दण्डक

चतुर्भंगी–

(घ) योग जीव या अजीव

(ङ) इन्द्रियां किस कर्म का उदय

(च) किस आश्रव तत्व के जीव कम, किस आश्रव तत्व के जीव अधिक

पच्चीस बोल की चर्चा–किसमें व कौन-कौन से?

(छ) आठ गुणस्थान

(ज) दो चारित्र

(झ) जीव तत्व के नौ भेद

तत्व चर्चा–

(ञ) अजीव रूपी या अरूपी

(ट) आश्रव सावद्य या निरवद्य

(ठ) छह द्रव्यों में एक कितने? अनेक कितने?

प्र. 10 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) कर्म प्रकृति–वेदनीय कर्म की स्थिति लिखें? ***अथवा*** शुभ नाम कर्म भोगने के हेतु लिखें।

(ख) जैन तत्व प्रवेश–षडद्रव्य द्वार–जीवास्तिकाय के पश्चात षडद्रव्य की जो व्याख्या की गई है वह लिखें। ***अथवा*** दृष्टांत द्वार–बंध के पश्चात जो प्रश्न व उत्तर है वह लिखें।

(ग) प्रतिक्रमण–अभ्युत्थान सूत्र ***अथवा*** आलोचना सूत्र लिखें।